श्री अन्न समाचार पत्र

हैदराबाद, सोलापुर, बाड़मेर/बलोला

अंक - 273 जुलाई, 2026

भाकृअनुप-भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान, राजेन्द्रनगर, हैदराबाद -500 030.

निदेशक की कलम से

प्रिय पाठकों,

भाकृअनुप-भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान, श्री अन्न वैश्विक उत्कृष्ट शोध केंद्र में जुलाई, 2026 के दौरान विज्ञान, नवोन्मेष, उद्यमिता तथा प्रभाव की एक निरंतर ऊर्जावान यात्रा रही, जिसने श्री अन्न अनुसंधान को किसानों एवं मूल्य -शृंखला हितधारकों के लिए व्यावहारिक अवसरों में बदला। इस माह के दौरान उद्योग व्यस्तताओं एवं प्रौद्योगिकी व्यावसायीकरण की ओर झुकाव देखा गया, जिसमें कई श्री अन्न प्रद्योगिकियों हेतु उद्योग साझेदारों को लाइसेंस प्रदान किया गया। आंध्र प्रदेश में एक जनजाति किउसं के लिए श्री अन्न प्राथमिक प्रसंस्करण एकक का उद्घाटन, प्रसंस्करण के विकेंद्रीकरण एवं ज़मीनी स्तर के उद्यमों को सुदृढ़ करने में एक मील का पत्थर सिद्ध हुआ। हमारा जलवायु-स्मार्ट अनुसंधान कार्यक्रम, सोलापुर क्षेत्रीय केंद्र पर एक स्वचालित रिट्रैक्टेबल रेनआउट शेल्टर के प्रारंभ होने के साथ और आगे बढ़ा, जिससे सूखे और नमी-दबाव अनुसंधान के लिए नई सक्षमता तैयार हुई। क्षमता निर्माण, छात्र ज्ञानवर्धन, किउसं मार्गदर्शन तथा कृषि-व्यवसाय पहलों ने श्री अन्न उद्यमियों, नवप्रवर्तकों एवं ज्ञान संचालित किसानों की एक नई पीढ़ी को तैयार करना जारी रखा। संस्थान ने अनुसंधान, प्रशिक्षण, मूल्य-शृंखला विकास तथा श्री अन्न के वैश्विक प्रचार में कार्यनीतिक सहयोग के माध्यम से अपने राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय संपर्क का भी विस्तार किया है। ये प्रयास भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं की उस दूरदृष्टि को सुनिश्चित करते हैं जिसमें श्री अन्न को जलवायु अनुकूल, पोषण, प्रौद्योगिकी तथा समावेशी ग्रामीण विकास के केंद्र में लाना है। हमारा मुख्य लक्ष्य अनुसंधान को उपयोगिता में, नवाचार को उद्यम में तथा श्री अन्न को सतत विकास के एक शक्तिशाली इंजन में बदलना है।

भाकृअनुप-कृविकें, बीदर में श्री अन्न उत्पादन प्रौद्योगिकी तथा मूल्यवर्धन पर तकनीकी सत्र

भाकृअनुप-कृविकें, बीदर ने कृषि विभाग, बीदर के साथ मिलकर 1 जुलाई 2026 को द्विमासिक बैठक आयोजित की। डॉ. संगप्पा, वरिष्ठ वैज्ञानिक, भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं, हैदराबाद ने "श्री अन्न उत्पादन, प्रसंस्करण तथा मूल्यवर्धन" पर एक तकनीकी सत्र दिया, जिसमें किसानों की आय बढ़ाने के लिए उन्नत उत्पादन प्रौद्योगिकी, कटाई उपरांत प्रबंधन, प्रसंस्करण और मूल्यवर्धन पर बल दिया गया। डॉ. संगप्पा ने एकत्रीकरण, प्रसंस्करण, ब्रांडिंग, पैकेजिंग, उद्यमिता एवं बाजार संपर्क में किउसं की भूमिका पर भी प्रकाश डाला। इस कार्यक्रम के माध्यम से कृषि अधिकारी, वैज्ञानिक, विस्तार स्टाफ तथा किसान एक साथ आए, जिससे श्री अन्न उत्पादन, प्रसंस्करण एवं सतत आजीविका पर ज्ञान का आदान-प्रदान हुआ।

भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं के वैज्ञानिक को एग्री टेक एंड प्लांटेशन 5.0 पर आयोजित अतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में श्रेष्ठ प्रपत्र पुरस्कार

डॉ. संगप्पा, वरिष्ठ वैज्ञानिक, भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं, हैदराबाद ने आईआईपीएम, बेंगलुरु द्वारा 3-4 जुलाई 2026 को एग्री टेक एंड प्लांटेशन 5.0 पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया। उन्होंने "नवोन्मेष, मूल्य शृंखला एकीकरण तथा निरंतरता के माध्यम से आदिवासी श्री अन्न खेती को बदलना : श्री मत्स्यदेवता किउसं, आंध्र प्रदेश की सफल गाथा" नामक एक प्रपत्र प्रस्तुत किया, जिसमें आदिवासी श्री अन्न खेती पर वैज्ञानिक हस्तक्षेप, मूल्यवर्धन, संस्थागत सुदृढ़ीकरण तथा बाजार संपर्क के प्रभाव पर प्रकाश डाला गया। इस प्रपत्र को सतत खेती एवं किउसं के नेतृत्व वाले ग्रामीण बदलाव में योगदान के लिए श्रेष्ठ प्रपत्र पुरस्कार प्रदान किया गया। यह उपलब्धि डॉ. सी तारा सत्यवती, निदेशक, भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं के दूरदर्शी मार्गदर्शन में किउसं -नेस्ट दल के समर्पित प्रयासों को दर्शाती है, जो श्री अन्न उद्यम तथा सतत मूल्य शृंखला को आगे बढ़ाने में सहायता कर रहे हैं।

श्री अन्न उत्पादन एवं मूल्यवर्धन में व्यावसायिक अवसरों पर क्षमता निर्माण कार्यक्रम

अपीडा क्षेत्रीय कार्यालय, विशाखापत्तनम ने 14 जुलाई 2026 को श्री अन्न को बढ़ावा देने के लिए एक आभासी क्षमता निर्माण कार्यक्रम आयोजित किया। इसमें कई राज्यों के किसान, किउसं प्रतिनिधि, उद्यमी, प्रोसेसर, विस्तार कार्मिक एवं मूल्य-शृंखला के अन्य हितधारक एक साथ आए। डॉ. रफी, कृषि-प्रौद्योगिकी विशेषज्ञ, भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं, हैदराबाद ने उन्नत खेती, कटाई उपरांत रखरखाव, गुणता प्रबंधन तथा श्री अन्न-आधारित उत्पाद विकास पर अपनी राय साझा की। डॉ. संगप्पा, वरिष्ठ वैज्ञानिक, भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं ने श्री अन्न के जलवायु-अनुकूल, पौष्टिक तथा व्यापारिक वस्तुओं के रूप में संभावनाओं पर बल दिया। इस कार्यक्रम ने जागरूकता बढ़ाई तथा बड़े पैमाने पर श्री अन्न के अंगीकरण हेतु प्रौद्योगिकीय, उद्यमी एवं बाजारोन्मुख तरीकों को बढ़ावा दिया।

भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं, हैदराबाद में भाकृअनुसं-राअस्ट्रेप्रससं के छात्रों का व्यावहारिक ज्ञानवर्धन

भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं, हैदराबाद ने 14 जुलाई 2026 को भाकृअनुप-भाकृअनुसं, राअस्ट्रेप्रसं हब, पुणे के विज्ञान स्नातक छात्रों का ज्ञा नवर्धन किया, ताकि उन्हें श्री अन्न प्रसंस्करण, मूल्यवर्धन

तथा उद्यमिता के बारे में व्यवहारिक जानकारी दी जा सके। छात्रों ने श्री अन्न प्रसंस्करण एवं मूल्यवर्धन एकक का दौरा किया, जहां उन्हें प्रसंस्करण प्रौद्योगिकी, उत्पाद विकास, व्यवसाय उष्मायित्र तथा बाजारोन्मुख नवोन्मेष के बारे में जानकारी प्रदान की गई। कार्यक्रम को डॉ. संगप्पा, वरिष्ठ वैज्ञानिक, भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं और किउसं नेस्ट दल ने समन्वय किया तथा छात्रों को खाद्य प्रसंस्करण, कृषि-व्यवसाय, अनुसंधान उद्यमशीलता के बारे में करियर बनाने के लिए प्रोत्साहित किया।

नवोन्मेष तथा मूल्य-शृंखला के माध्यम से श्री अन्न उद्यमिता को प्रोत्साहन

के-एग्री टेक लॉन्चपैड, एक नाबार्ड समर्थित ग्रामीण व्यवसाय ऊष्मायन केंद्र (आरबीआईसी) ने 24 जुलाई 2026 को अपनी शुक्रवार कृषि-नवोन्मेष व्याख्यान माला के अंतर्गत एक ऑनलाइन सत्र आयोजित किया, जिसका शीर्षक "श्री अन्न प्रसंस्करण, मूल्यवर्धन तथा विपणन के माध्यम से छोटे किसानों का सशक्तिकरण " था। किउसं दल, भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं, हैदराबाद ने किसानों की आय बढ़ाने के लिए श्री अन्न प्रसंस्करण, मूल्यवर्धन, विपणन एवं उद्यमिता पर व्यावहारिक जानकारी साझा की। डॉ. संगप्पा, वरिष्ठ वैज्ञानिक, भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं ने जलवायु-अनुकूल और पौष्टिक फसलों के रूप में श्री अन्न की क्षमता पर प्रकाश डाला, और वैज्ञानिक प्रसंस्करण, ब्रांडिंग, पैकेजिंग, बाजार संपर्क तथा उष्मायन सहायता पर बल दिया। इस सत्र में छात्रों, नवोद्यमियों, उद्यमियों, अनुसंधानकर्ताओं, किसानों तथा कृषि -प्रेमियों को श्री अन्न -आधारित उद्यमों के प्रौद्योगिकी हस्तांतरण, उत्पाद विविधिकरण तथा व्यावसायीकरण के बारे में जानकारी दी गई।

एल नीनो तथा एकीकृत फसल प्रबंधन कार्यों पर जागरूकता तथा प्रशिक्षण के माध्यम से फसल उत्पादकता वर्धन

भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं, हैदराबाद द्वारा कृप्रौप्रअभि के अंतर्गत प्रवर्तित स्कोटा रैतू भारत किउसं एमएसीएस लिमिटेड के अंशधारक किसानों के लिए 28 जुलाई 2026 को धर्मावरम गांव में एल नीनो तथा समेकित फसल प्रबंधन (आईसीएम) कार्यों पर एक जागरूकता एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में समेकित पीड़क तथा रोग प्रबंधन, संतुलित पोषक तत्व प्रबंधन एवं पानी उपयोग दक्षता शामिल जलवायु-अनुकूल तरीकों पर ध्यान दिया गया। कार्यक्रम में डॉ. श्रीनिवास, वैज्ञानिक, भाकृअनुप -भाश्रीअनुसं के साथ एडीए, एओ, एपीएसएसडी योजना अधिकारी एवं 40 किसानों ने भाग लिया। तकनीकी सत्र में एल नीनो परिस्थितियों में फसल प्रबंधन, नमी संरक्षण तथा सतत खेती पर व्यावहारिक मार्गदर्शन दिया गया, जिससे उन्नत उत्पादकता, आगत के कुशल उपयोग तथा जलवायु अनुकूलन में सहायता मिली।

वीकेएसए प्रभाव : भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं द्वारा आंध्र प्रदेश में आदिवासी किउसं में श्री अन्न प्राथमिक प्रसंस्करण एकक की स्थापना

डॉ. सी तारा सत्यवती, निदेशक, भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं ने आंध्र प्रदेश में कर्नूल के पेंडलीमन थांडा स्थित सेवालाल किउसं एमएसीएस में 30 जुलाई 2026 को वैज्ञानिकों, अधिकारियों, भागीदारों तथा आदिवासी श्री अन्न किसानों की उपस्थिति में श्री अन्न प्राथमिक प्रसंस्करण इकाई का उद्घाटन किया। भाकृअनुप-कृविकें बनवासी, आएनजीरंकृविवि तथा भाकृअनुप-कृप्रौअअनुसं के तकनीकी सहयोग से जनजातीय उप योजना (टीएसपी) के अंतर्गत समर्थित इस इकाई का उद्देश्य कटाई उपरांत प्रबंधन को सुदृढ़ करना, प्रसंस्करण क्षति को कम करना एवं मूल्यवर्धन, ब्रांडिंग और बाजार संबंधों को बढ़ावा देना है। डॉ. तारा सत्यवती ने किसानों की आय बढ़ाने के लिए ग्राम-स्तरीय प्रसंस्करण के आधारभूत ढांचे पर बल दिया तथा किउसं को स्थायी कृषि व्यवसाय उद्यम विकसित करने के लिए प्रोत्साहित किया। श्री के श्रीनिवास बाबू, डॉ. संगप्पा, डॉ. रफी तथा श्री प्रशांत ने डॉ. के राघवेंद्र चौधरी, प्रधान अन्वेषक एवं अध्यक्ष, भाकृअनुप-कृविकें, बनवासी एवं सेवालाल किउसं निदेशक मंडल के समर्थन से इस कार्यक्रम का समन्वय किया।

संस्थागत जैव-सुरक्षा समिति (आईबीएससी) की बैठक

डॉ. सी तारा सत्यवती, निदेशक, भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं तथा अध्यक्ष, संस्थागत जैव-सुरक्षा समिति (आईबीएससी) की अध्यक्षता में 20 जुलाई 2026 को आईबीएससी की दूसरी बैठक हुई। इस बैठक में भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं, हैदराबाद में जैव-सुरक्षा उपायों के प्रगति की समीक्षा की गई। डॉ. वी दिनेश कुमार, प्रधान वैज्ञानिक, भाकृअनुप-भातिअनुसं (डीबीटी-नामित); डॉ. सतेंद्र कुमार मंगरौठिया, प्रधान वैज्ञानिक, भाकृअनुप-भाचाअनुसं (बाह्य विशेषज्ञ); डॉ. जिनु जेकब, वरिष्ठ वैज्ञानिक तथा सचिव, आईबीएससी; डॉ. डी बालकृष्ण, डॉ. पी राजेंद्रकुमार (आंतरिक विशेषज्ञ) तथा डॉ. संतोष के गुप्ता भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं बैठक में शामिल हुए।

विदेश में जीनोम संपादन प्रशिक्षण पर प्रतिनियुक्ति प्रस्तुतीकरण

डॉ. जिनु जेकब, वरिष्ठ वैज्ञानिक (जैवप्रौद्योगिकी) ने भाकृअनुप वित्त पौषित ईएफसी परियोजना, "जीनोम संपादन तकनीकों से जलवायु अनुकूलन बढ़ाना तथा खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करना, " के अंतर्गत आईपीके, जर्मनी में जीनोम संपादन में अपने लघु-अवधि विदेश प्रशिक्षण के पूर्ण होने पर 9 जुलाई 2026 को एक प्रतिनियुक्ति प्रस्तुतीकरण दिया।

श्री अन्न की खेती तथा मूल्यवर्धन पर क्षमता निर्माण कार्यक्रम

भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं, क्षेत्रीय केंद्र, सोलापुर ने कृविकें तुलजापुर, वीएनएमकेवी, परभणी तथा मेलूप फूड्स प्राइवेट लिमिटेड द्वारा संयुक्त रूप से 10 जुलाई 2026 को कृविकें, तुलजापुर,

धाराशिव में आयोजित श्री अन्न की खेती तथा मूल्यवर्धन पर क्षमता निर्माण कार्यक्रम में भाग लिया। उद्घाटन सत्र में डॉ. इंद्र मणि, माननीय कुलपति, वीएनएमकेवी, परभणी; डॉ. राकेश अहिरे, विस्तार शिक्षा निदेशक; डॉ. सचिन सूर्यवंशी, वरिष्ठ वैज्ञानिक तथा अध्यक्ष, कृविकें तुलजापुर; एवं श्री राजीव जैन, खाद्य उद्योग विशेषज्ञ उपस्थित थे। डॉ. परशुराम पल्लोटी, वरिष्ठ वैज्ञानिक तथा नोडल अधिकारी, श्री अन्न प्रसंस्करण तथा मूल्यवर्धन पर उत्कृष्टता केंद्र, भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं, सोलापुर ने श्री अन्न की खेती, प्रसंस्करण, मूल्यवर्धन तथा उद्यमिता पर एक तकनीकी व्याख्यान दिया। इस अवसर पर श्री अन्न प्रदर्शनी भी लगाई गई, तत्पश्चात उन्नत तथा सतत खेती को बढ़ावा देने हेतु रागी, कंगनी एवं सावां के उत्तम गुणता युक्त बीज वितरित किए गए।

"श्री अन्न पारिस्थितिकी तंत्र का सुदृढ़ीकरण : खेती, प्रसंस्करण से बाजार एकीकरण तक" पर विनिमय कार्यक्रम

भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं, क्षेत्रीय केंद्र, सोलापुर ने आईएमएमडीए द्वारा विश्व बैंक एवं एनआईएफटीईएम, कुंडली समर्थित स्मार्ट परियोजना, महाराष्ट्र सरकार के अंतर्गत 15 जुलाई 2026 को पुणे, महाराष्ट्र में "श्री अन्न पारिस्थितिकी तंत्र का सुदृढ़ीकरण : खेत, प्रसंस्करण से बाजार एकीकरण तक" विषय पर आयोजित विनिमय कार्यक्रम में भाग लिया। श्री दत्तात्रेय भरणे, माननीय कृषि मंत्री ने जलवायु अनुकूलन, पोषण सुरक्षा एवं किसानों की आजीविका में श्री अन्न की भूमिका पर बल दिया। डॉ. परशुराम पल्लोटी, वरिष्ठ वैज्ञानिक तथा नोडल अधिकारी, श्री अन्न प्रसंस्करण तथा मूल्यवर्धन पर उत्कृष्टता केंद्र, भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं ने उत्पादन, प्रसंस्करण, मूल्य संवर्धन, उद्यमिता एवं बाजार संबंधों पर एक विशेषज्ञ व्या ख्यान दिया तथा सीओई गतिविधियां तथा बुनियादी ढांचे का विकास शामिल स्मार्ट महाराष्ट्र परियोजना के अंतर्गत हुई प्रगति पर प्रकाश डाला।

भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं, क्षेत्रीय केंद्र, सोलापुर में स्वचालित रिट्रेक्टेबल रेनआउट शेल्टर सुविधा का उद्घाटन

डॉ. सी तारा सत्यवती, निदेशक, भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं, हैदराबाद ने भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं, क्षेत्रीय केंद्र, सोलापुर में 25 जुलाई 2026 को ऑटोमेटेड रिट्रैक्टेबल रेनआउट शेल्टर सुविधा का उद्घाटन किया। रबी ज्वार केंद्र के अंतर्गत आईसीआईसीआई फाउंडेशन समर्थित यह सुविधा सूखा सहिष्णु, नमी दबाव की जांच एवं जलवायु-अनुकूल ज्वार प्रजनन पर अनुसंधान को सुदृढ़ करेगी।

इस कार्यक्रम में श्री अजिक्य पुरवत, श्री ऋषिकेश काटे, तथा श्री रोहित भंडवाले,आईसीआईसीआई फाउंडेशन/आईसीआईसीआई बैंक एवं डॉ. बसवराज रायगोंड , डॉ. परशुराम पल्लोटी, डॉ. डी बालकृष्ण, श्री श्रीनिवास बाबू, तथा डॉ. अमसिद्ध, भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं उपस्थित थे। यह सुविधा नमी-दबाव जांच के लिए नियंत्रित स्थितियां प्रदान करेगी एवं जलवायु-अनुकूल ज्वार किस्मों के विकास में सहायता करेगी।

"जेन जेड किसानों तथा प्रौद्योगिकविदों के लिए कृषि व्यवसाय के अवसर " पर एक दिवसीय कार्यशाला

भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं, क्षेत्रीय केंद्र, सोलापुर ने 31 जुलाई 2026 को सिंहगढ़ संस्थान, सोलापुर में "जेन जेड़ किसानों तथा प्रौद्योगिकविदों के लिए कृषि व्यवसाय के अवसर " पर आयोजित कार्यशाला में भाग लिया। प्रदर्शनी में श्री अन्न किस्में, मूल्यवर्धित उत्पाद, प्रसंस्करण प्रौद्योगिकी, मूल्य-शृंखला गतिविधियां तथा उद्यमिता के अवसर प्रदर्शित किए गए, जिससे किसान, छात्र, उद्यमी एवं अन्य हितधारक आकर्षित हुए। डॉ. परशुराम पल्लोटी वरिष्ठ वैज्ञानिक तथा नोडल अधिकारी ने "श्री अन्न मूल्य शृंखला : खेत से प्रसंस्करण तक, मूल्यवर्धन एवं उद्यमिता विकास" पर एक विशेषज्ञ व्याख्यान दिया, जिसमें खेती, प्रसंस्करण, मूल्यवर्धन, बाजार संपर्क तथा युवाओं के लिए उद्यमिता के अवसरों पर प्रकाश डाला गया।

डॉ. एम जे खान, कार्यकारी निदेशक, विश्व कृषि मंच (डब्ल्यूएएफ) का दौरा

डॉ. एम जे खान, कार्यकारी निदेशक, विश्व कृषि मंच (डब्ल्यूएएफ), वाशिंगटन, डीसी ने 27 जुलाई 2026 को भाकृअनुप–भाश्रीअनुसं, हैदराबाद का दौरा किया तथा डॉ. तारा सत्यवती, निदेशक, भाश्रीअनुसं से चर्चा की। डॉ. खान ने भाश्रीअनुसं की वैज्ञानिक उपलब्धियों, उन्नत अनुसंधान सुविधाओं, नवोन्मेष उष्मायन परितंत्र एवं श्री अन्न को सुदृढ़ करने में भारत के वैश्विक नेतृत्व की सराहना की। चर्चा का केंद्र डब्ल्यूएएफ तथा भाश्रीअनुसं के बीच श्री अन्न के वैश्विक प्रसार के लिए एक कार्यनीतिक साझेदारी का पता लगाना था, जिसमें पोषण, जलवायु अनुकूल, सतत कृषि एवं किसानों की खुशहाली पर बल दिया गया। यह प्रस्तावित सहयोग डब्ल्यूएएफ के अंतर्राष्ट्रीय नेटवर्क तथा आयोजन मंच के साथ -साथ भाश्रीअनुसं की वैज्ञानिक और तकनीकी विशेषज्ञता का उपयोग करेगा।

भाकृअनुप के 98वें स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में वृक्षारोपण अभियान

भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं, श्री अन्न वैश्विक उत्कृष्ट शोध केंद्र, हैदराबाद में, भाकृअनुप के 98वें स्थापना दिवस समारोह के भाग के रूप में 16 जुलाई 2026 को वृक्षारोपण अभियान चलाया गया। डॉ.

(श्रीमती) सी तारा सत्यवती, निदेशक, भाश्रीअनुसं ने वैज्ञानिक व तकनीकी स्टाफ के साथ इस कार्यक्रम में भाग लिया। इस अवसर पर पर्यावरणीय स्थीरता तथा हरित परिसर विकास को बढ़ावा देने के लिए आम के 7 पौधे लगाए गए। डॉ. बी अमसिद्ध तथा श्री जे भगवंतम ने कार्यक्रम का समन्वय किया , जिसमें सतत कृषि विकास में पेड़ों की महत्व पर्यावरणीय प्रबंधन पर बल दिया गया।

विकाराबाद , तेलंगाना में श्री अन्न की उन्नत खेती तथा कटाई उपरांत प्रबंधन के लिए तिरपाल एवं स्प्रेयर वितरण

भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं, हैदराबाद ने श्री अन्न वैश्विक उत्कृष्ट शोध केंद्र-एससीएसपी के अंतर्गत तेलंगाना के विकाराबाद जिले में 24 जुलाई 2026 को किसान बैठक-सह-आगत वितरण कार्यक्रम आयोजित किया। डॉ. एन अनुराधा, वरिष्ठ वैज्ञानिक, डॉ. सी दीपिका, वैज्ञानिक और श्रीमती एम दीपिका, परियोजना स्टाफ़ ने कार्यक्रम में भाग लिया तथा उन्नत श्री अन्न खेती, पोषण एवं वैज्ञानिक फसल प्रबंधन पर तकनीकी मार्गदर्शन प्रदान किया। तीन सौ किसानों के प्रारंभिक संवेक्षण के बाद, दारुर तथा पुदुर से 200 एससी लाभार्थियों का चयन किया गया। इस कार्यक्रम के अंतर्गत, चयनित किसानो को कटाई उपरांत प्रबंधन व फसल की सुरक्षा में सहायता हे तु 100 तिरपाल तथा 100 पावर स्प्रेयर वितरित किए गए। इस कार्यक्रम में लाभार्थी किसानों ने बड़े ही उत्साह के साथ भाग लिया तथा कार्यक्रम की सराहना की।

करार/समझौते ज्ञापन

समझौता तिथि	अन्य पक्ष/ लाइसेंसधारी	समझौते ज्ञापन / करार ज्ञापन का प्रयोजन	हस्ताक्षरकर्ता प्राधिकरण		साक्ष्य
			भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं	अन्य पक्ष	
09.07.2026	एमपी एग्रोटोनिक्स लिमिटेड, पंजाब	श्री अन्न निर्मित 2 मूल्यवर्धित प्रौद्योगिकियां अर्थात रागी-आधारित एनर्जी बार तथा रागी नट डिलाइट बार हेतु लाइसेंस	डॉ. सी तारा सत्यवती निदेशक	श्री अनिलेश सिंह, व्यवसाय साझेदार	डॉ. जे स्टेनली
09.07.2026	अजितनाथ मर्चेंट प्राइवेट लिमिटेड, मध्य प्रदेश	श्री अन्न निर्मित 2 मूल्यवर्धित प्रौद्योगिकियां अर्थात कुटकी त्वरित खिचड़ी मिश्रण तथा बहु श्री अन्न एक्सट्रूडेड स्नैक्स हेतु लाइसेंस	डॉ. सी तारा सत्यवती निदेशक	श्री राज वर्मा, व्यवसाय साझेदार	डॉ. जे स्टेनली
14.07.2026	नेचरसेव बायोसस्टेनेबल सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड, तमिलनाडु	बायो-इथेनॉल उत्पादनार्थ श्री अन्न पर सहयोगी अनुसंधान एवं प्रोत्साहन	डॉ. सी तारा सत्यवती निदेशक	श्री सर्वनन एम, निदेशक	डॉ. उमाकांत तथा डॉ. अमसिद्ध बी
15.07.2026	ओजस किसान, हैदराबाद	श्री अन्न निर्मित 4 मूल्यवर्धित प्रौद्योगिकियां अर्थात ज्वार ग्लूटेन-मुक्त कुकीज़, ज्वार-बादाम प्रीमियम कुकीज़, ज्वार-चॉकोचिप प्रीमियम कुकीज़ तथा रागी कुकीज़ हेतु लाइसेंस	डॉ. सी तारा सत्यवती निदेशक	श्री किशोर रेड्डी, व्यवसाय साझेदार	डॉ. जे स्टेनली
24.07.2026	कुंतुनाथ मर्चेंट्स प्राइवेट लिमिटेड, मध्य प्रदेश	श्री अन्न की एक मूल्यवर्धित प्रौद्योगिकी अर्थात रागी-आधारित एनर्जी बार हेतु लाइसेंस	डॉ. सी तारा सत्यवती निदेशक	श्री जे.पी. शर्मा, व्यवसाय साझेदार	डॉ. जे स्टेनली
29.07.2026	एमआईटी विश्वप्रयाग विश्वविद्यालय, महाराष्ट्र	सहयोगी अनुसंधान एवं छात्र प्रशिक्षण तथा स्नातकोत्तर अनुसंधान	डॉ. सी तारा सत्यवती निदेशक	प्रो. प्रणेश मृणाल, रजिस्ट्रार	डॉ. अमसिद्ध बी तथा डॉ. परशुराम
27.07.2026	आंध्र प्रदेश केंद्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय, आंध्र प्रदेश	सहयोगी अनुसंधान, क्षमता निर्माण, श्री अन्न को बढ़ावा देने एवं छात्र प्रशिक्षण तथा स्नातकोत्तर अनुसंधान	डॉ. सी तारा सत्यवती निदेशक	प्रो. टी श्रीनिवासन, कुलपति	डॉ. अमसिद्ध बी तथा श्री श्रीनिवास बाबू के
31.07.2026	प्योरली रूटेड फूड्स प्राइवेट लिमिटेड, हरियाणा	श्री अन्न निर्मित 6 मूल्यवर्धित प्रौद्योगिकियां अर्थात ज्वार चीनी मुक्त कुकीज़ (कम वसा), ज्वार प्रीमियम काजू कुकीज़, ज्वार प्रीमियम चॉकोचिप कुकीज़, रागी गुड़ कुकीज़, ज्वार त्वरित इडली मिश्रण तथा कंगनी त्वरित इडली मिश्रण हेतु लाइसेंस	डॉ. सी तारा सत्यवती निदेशक	श्री विग्नेश गर्ग, निदेशक	डॉ. जे स्टेनली

एमपी एग्रोटोनिक्स लिमिटेड, पंजाब

अजितनाथ मर्चेंट प्राइवेट लिमिटेड, मध्य प्रदेश

ओजस किसान, हैदराबाद

कुंतुनाथ मर्चेंट्स प्राइवेट लिमिटेड, मध्य प्रदेश

प्योरली रूटेड फूड्स प्राइवेट लिमिटेड, हरियाणा

बैठकों/संगोष्ठियों/कार्यशालाओं/सम्मेलनों आदि में सहभागिता

नाम	शीर्षक (अगर प्रपत्रादि प्रस्तुत किया गया है तो शीर्षक)	आयोजक	स्थल	ऑनलाइन/ प्रत्यक्ष	तिथि
डॉ. सी तारा सत्यवती	बहु-कट चारा ज्वार संकर सीएसएच 24 एमएफ के मूल्यांकन के लिए टेक्नो कमर्शियल असेसमेंट कमेटी (टीसीएसी)	एग्रीनोवेट इंडिया लिमिटेड	भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं हैदराबाद	ऑनलाइन	3 जुलाई 2026
डॉ. सी तारा सत्यवती	एल नीनो के प्रभाव से निपटने के लिए आंध्र प्रदेश के जिलों की तैयारियों की समीक्षा हेतु ऑनलाइन बैठक	अटारी, हैदराबाद	-	ऑनलाइन	6 जुलाई 2026
डॉ. सी तारा सत्यवती	तेलंगाना के माननीय कृषि मंत्री द्वारा राज्य में एल नीनो की स्थिति पर बुलाई गई बैठक	कृषि विभाग, तेलंगाना	इक्रिसेट, हैदराबाद	प्रत्यक्ष	13 जुलाई 2026
डॉ. सी तारा सत्यवती	एग्रीनोवेट इंडिया लिमिटेड के सहयोग से कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी कॉन्क्लेव 2026 के लिए ऑनलाइन भाकृअनुप प्रौद्योगिकी पोर्टफोलियो में सहभागिता	भाकृअनुप, नई दिल्ली	एनएएससी कॉम्प्लेक्स, नई दिल्ली	ऑनलाइन	15 जुलाई 2026
डॉ. सी तारा सत्यवती	भाकृअनुप का 98वें स्थापना दिवस कार्यक्रम	भाकृअनुप, नई दिल्ली	-	ऑनलाइन	16 जुलाई 2026
डॉ. सी तारा सत्यवती	डॉ. जी चिन्ना रेड्डी, अध्यक्ष- विशेषज्ञ समिति तथा उपाध्यक्ष तेलंगाना राज्य योजना बोर्ड की अध्यक्षता में वर्तमान एल नीनो परिस्थितियों के प्रभाव के आकलन हेतु विशेषज्ञ समिति की बैठक में सदस्य के रूप में	तेलंगाना सरकार	महात्मा ज्योतिबा फुले प्रजा भवन, पंजागुट्टा, हैदराबाद	प्रत्यक्ष	22 जुलाई 2026
डॉ. सी तारा सत्यवती	एफएसएसएआई, नई दिल्ली के विज्ञान और मानक प्रभाग के अनाज एवं अनाज उत्पादों, फलियां तथा दालों (एसपी -11) पर वैज्ञानिक पैनल	एफएसएसएआई, नई दिल्ली	-	ऑनलाइन	23 जुलाई 2026
डॉ. हरिप्रसन्ना के	आईएमसी बैठक	भाकृअनुप-रापाआसंब्यू, नई दिल्ली	भाकृअनुप-रापाआसंब्यू, नई दिल्ली	ऑनलाइन	23 जुलाई 2026
डॉ. स्टेनली एवं डॉ. अमसिद्ध	प्रौद्योगिकी मूल्यांकन विधियां एवं तकनीकें	भाकृअनुप-राकृअनुप्रअ, हैदराबाद	भाकृअनुप-राकृअनुप्रअ, हैदराबाद	प्रत्यक्ष	23-24 जुलाई 2026

श्री अन्न वैश्विक उत्कृष्ट शोध केन्द्र

भाकृअनुप - भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान

बाजरा, ज्वार तथा लघु श्री अन्न पर अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना

राजेन्द्रनगर, हैदराबाद-500053

दूरभाष : 040-24599300 ई-मेल : millets.icar@nic.in वेबसाइट : www.millets.res.in

संकलन एवं संपादन

डॉ. महेश कुमार, डॉ. जिनु जेकब

डॉ. विकास कुमार तथा डी रेवती

फोटो, अभिकल्पना तथा रूपरेखा

एच एस गावली

प्रकाशक एवं मुख्य संपादक

निदेशक, भाकृअनुप – भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान

रबी ज्वार अनुसंधान केंद्र (भाश्रीअनुसं)
राष्ट्रीय राजमार्ग-9, बायपास, शेल्गी,
सोलापुर-413006 (महाराष्ट्र)
दूरभाष : 0217-2373456 फैक्स : 0217-2373456
ई-मेल : solapur@millets.res.in
वेबसाइट : www.millets.res.in

ज्वार गैर-मौसमी पौधशाला (भाश्रीअनुसं)
प्रभारी अधिकारी,
भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान, आरएआरएस
(पीजेटीएसएयू) मुतुगू रोड़, वरंगल

क्षेत्रीय बाजरा अनुसंधान केंद्र (भाश्रीअनुसं)
गुड़ामालानी, बाड़मेर, राजस्थान
ई-मेल : barmer@millets.res.in